भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं. †*218

सोमवार, 3 अगस्त, 2026/12 श्रावण, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

विष्णुपद और महाबोधि मंदिर का विकास

†*218. श्री कौशलेन्द्र कुमार:

श्री रामप्रीत मंडल:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2024-25 के केन्द्रीय बजट में की गई घोषणा के अनुसार बिहार में गया स्थित विष्णुपद मंदिर तथा महाबोधि मंदिर, बोधगया गलियारे के व्यापक विकास से संबंधित परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(ख) नालंदा विश्वविद्यालय के पुनरुद्धार और नालंदा को विश्वस्तरीय पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने से संबंधित परियोजना/योजना की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

श्री कौशलेन्द्र कुमार और श्री रामप्रीत मंडल द्वारा विष्णुपद और महाबोधि मंदिर के विकास के संबंध में दिनांक 03.08.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न संख्या †*218 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में **विवरण**

(क) और (ख): केंद्रीय बजट 2024-25 में बिहार में विष्णुपद मंदिर कॉरिडोर और महाबोधि मंदिर कॉरिडोर के विस्तृत विकास की घोषणा की गई थी, जिस पर पर्यटन मंत्रालय ने बिहार राज्य सरकार के परामर्श से तत्संबंधी बजट की घोषणा की।

इसके अलावा, पर्यटन का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र के प्रशासन द्वारा किया जाता है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं जैसे 'स्वदेश दर्शन' (एसडी), 'स्वदेश दर्शन 2.0' (एसडी2.0), 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास' (सीबीडीडी)- स्वदेश दर्शन के तहत एक पहल और 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान' (प्रशाद) आदि के तहत राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रशासनों को, उनसे परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति पर, योजना दिशानिर्देशों और सरकारी निर्देशों के अनुरूप तथा निधियों की उपलब्धता, परस्पर प्राथमिकता आदि के अध्यधीन पर्यटकों के अनुभवों को बेहतर बनाने हेतु देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने अपनी 'स्वदेश दर्शन 2.0' योजना के तहत मार्च, 2025 में बोधगया में 'बौद्ध ध्यान और अनुभव केंद्र का विकास' नामक 165.44 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी है। इसके अलावा, बिहार राज्य सरकार ने भी परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनकी सूची निम्नानुसार है:

i. ब्रह्मकुंड क्षेत्र, राजगीर के विस्तृत विकास के लिए परियोजनाएं - 49.87 करोड़ रुपए
ii. गया जी में धर्मशाला का विकास - 120.15 करोड़ रुपए
iii. छप्पर सहित पैदल मार्ग का विकास, विष्णुपद मंदिर की सड़क और बस पार्किंग तक पहुँचने के लिए वैकल्पिक मार्ग का निर्माण - 61.96 करोड़ रुपए
iv. गुरुपा पहाड़ी पर पर्यटक सुविधा का विकास - 9.17 करोड़ रुपए
v. दुनिया के 7 अजूबों की प्रतिकृति का विकास (सिलाउंजा बोधगया में) - 14.85 करोड़ रुपए

रोपवे

vi. गया जी में ब्रह्म्योनी पहाड़ी पर रोपवे का विकास - 8.67 करोड़ रुपए
vii. बोधगया में डुंगेश्वरी पहाड़ी पर रोपवे का विकास - 16.76 करोड़ रुपए
viii. गया जी में प्रेतशिला पहाड़ी पर रोपवे का विकास - 10.48 करोड़ रुपए

इसके अतिरिक्त, बिहार राज्य सरकार ने सूचित किया है कि वह नालंदा को एक विश्व स्तरीय पर्यटक केंद्र के रूप में एकीकृत करने और बढ़ावा देने के लिए विभिन्न अवसंरचना और गंतव्य विकास संबंधी पहलों पर कार्य कर रही है। राजगीर तथा नालंदा के समग्र विकास के लिए एक अंतिम व्यापक गंतव्य संबंधी रणनीति और विकास योजना तैयार की गई है।

वर्तमान में, नालंदा के विकास से संबंधित कोई प्रस्ताव पर्यटन मंत्रालय के विचाराधीन नहीं है।

*****